अति गोपनीय: (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए) **सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूरक परीक्षा, 2025** **अंकन योजना - भूगोल (सैद्धांतिक) (विषय कोड - 029)** **(पेपर कोड - 64/S/3)**	
सामान्य निर्देश:-	
1	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2	**मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय सहिंता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए और धार्मिक रूप से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, उत्तर जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या अभिनव हैं, उनका मूल्यांकन उनकी शुद्धता के लिए किया जा सकता है अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 12 कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता की गणना की गई हो, अंक दिए जाने चाहिए।
4	अकं - योजना में उत्तरो के लिए केवल सुझाए गए मूल्य पर बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं । छात्रों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक तदानुसार दिये जाने चाहिए ।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के

	अनुसार किया गया है । मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तरपुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ।
6	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का अंक नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं।
7	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन किया जा सकता है।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन भी किया जा सकता है।
9	यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है , तो अधिक अंक वाले प्रश्न का उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए । बरकरार रखा जाना चाहिए और अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए ।
10	त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूर्ण पैमाने ______70______ (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 0-40 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।.
13	सुनिश्चित करें कि आप पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियां नहीं करते हैं: ● उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। ● किसी उत्तर के लिए दिए गए अंक से अधिक अंक देना। ● एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानान्तरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। ● उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण।

	उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।.
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
16	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देशों में दिए गए दिशा-निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।.
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।.
18	बोर्ड उम्मीदवारों को आरटीआई आवेदन में अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अलग से भी। परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परिक्षों को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंकन योजना
पूरक परीक्षा, 2025
भूगोल (सैद्धांतिक) (विषय कोड - 029)
(पेपर कोड ~64/S/3)

सेट -3
पूर्णांक -70

	अपेक्षित उत्तर/ मूल्य बिंदु	Page no in TB	अंक
	खण्ड - क **प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं।**		(17×1=17)
1.	(A) सकल राष्ट्रीय प्रसंन्नता (GNH)	**Pg 18 TB-I**	1
2	(B) केवल I, II और IV सही है	**Pg 25 TB-1**	1
3	(C) सांस्कृतिक भू- दृश्य की रचना करना	**Pg 2 TB-I**	1
4	(C) बहते पानी का पिंड	**Pg 2 TB-I**	1
5	(C) एलेन सी. सैंपल	**Pg 2 TB-I**	1
6	(B) आधारभूत आवश्यकता उपागम	**Pg 17 TB-I**	1
7	(C) 1881	**Pg 1 TB-II**	1
8	(C) अभिकथन (A)और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	**Pg 7 TB-II**	1
9	(B) III ,IV, I, II	**Pg 17 TB-II**	1
10	(B) केवल I, II और III सही है।	**Pg.17 TB-II**	1

11	(C) अभिकथन (A)और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है I	Pg.44 TB-II	1
12	(A) गुच्छित बस्तियां	Pg 16 TB-II	1
13	(A) केवल I, II और III सही है।	Pg 47 TB-II	1
14	(C) कोलकाता पत्तन	Pg.91 TB-II	1
   15 16 17 15 16 17	*नीचे दिए गए आरेख का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और प्रश्न संख्या **15** से **17** तक के उत्तर लिखिए :* 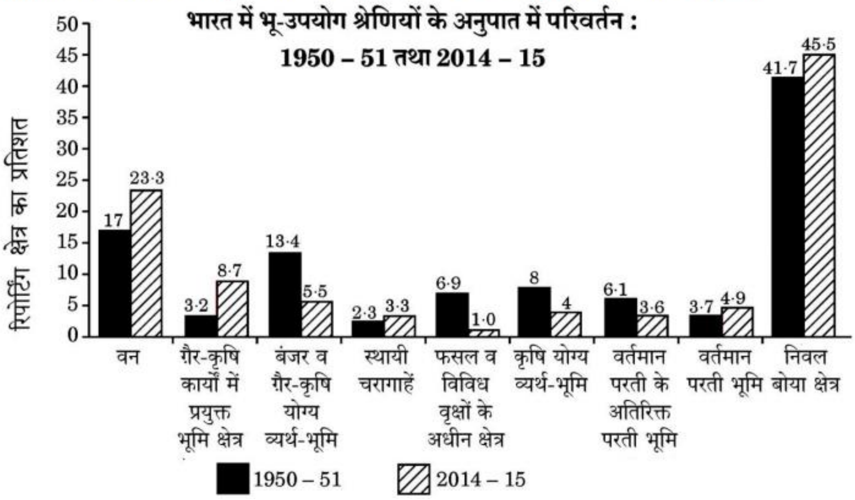 (D) बंजर एवं गैर - कृषि योग्य व्यर्थ -भूमि (B) कृषि योग्य व्यर्थ - भूमि में गिरावट (A) वन ***नोट** : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या 15 से 17 के स्थान पर है।* (C) बंजर एवं गैर कृषि योग्य व्यर्थ भूमि (D) ग़ैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि क्षेत्र (A) कृषि योग्य व्यर्थ -भूमि में गिरावट		3x1=3 1 1 1 1 1 1
	खंण्ड - ख प्रश्न संख्या **18** एवं **19** **स्रोत** आधारित प्रश्न है।		**(2x3=6)**

18	दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **अंकीय विभाजक** सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित विकास से मिलने वाले अवसरों का वितरण पूरे ग्लोब पर असमान रूप से वितरित है। देशों में विस्तृत आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक भिन्नताएँ पाई जाती हैं। निर्णायक कारक यह है कि कोई देश कितनी शीघ्रता से अपने नागरिकों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक पहुँच और उसके लाभ उपलब्ध करा सकता है। विकसित देश, सामान्य रूप से, इस दिशा में आगे बढ़ गए हैं जबकि विकासशील देश पिछड़ गए हैं और इसी को अंकीय विभाजक कहा जाता है। इसी प्रकार देशों के भीतर अंकीय विभाजक विद्यमान है। उदाहरणतः, भारत अथवा रूस जैसे विशाल देश में यह अवश्यंभावी है कि महानगरीय केंद्रों जैसे निश्चित क्षेत्रों में परिधिस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अंकीय विश्व के साथ बेहतर संबंध तथा पहुँच पाई जाती है। **18.1 अंकीय विभाजक को परिभाषित कीजिए !** उत्तर - अपने नागरिकों को आईसीटी तक पहुंच और लाभ प्रदान करने में विकसित और विकासशील देशों के बीच अंतर को अंकीय विभाजित कहते हैं। 1 **18.2 सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के असमान विकास के कारण का उल्लेख कीजिये** उत्तर- देशों के बीच व्यापक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मतभेद हैं, जिनके कारण आईसीटी असमान है। 1 **18.3 देशों के मध्य अंकीय विभाजन क्यों अस्तित्व में है ?** उत्तर- यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे कुछ बड़े देशों में, महानगरीय क्षेत्रों को आईसीटी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्राप्त है, जबकि परिधीय ग्रामीण क्षेत्र पीछे रह जाते हैं। 1		3x1=3
19	निम्नलिखित तालिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :		3x1=3

भारत का सड़क जाल 2016

क्र.सं.	*सड़क वर्ग*	*लंबाई किमी में*
1.	राष्ट्रीय महामार्ग	101011
2.	राज्य महामार्ग	176166
3.	प्रमुख जिला सड़कें	561940
4.	ग्रामीण सड़कें	3935377
	कुल	**4774494**

	19.1 2016 में राज्य महामार्गों के सापेक्ष राष्ट्रिय महामार्गों की लम्बाई कितने किमी कम है ? उत्तर - 75155 किमी 1 **19.2 2016 में राज्य महामार्गों के सापेक्ष प्रमुख जिला सड़कें कितने किमी अधिक है ?** उत्तर - 385774 किमी 1 **19.3 सड़कों की बहुत बड़ी लम्बाई ग्रामीण सड़कों की श्रेणी में क्यों आती है?** उत्तर - ग्रामीण सड़कें ग्रामीण आबादी को सम्पर्क प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, हमारी लगभग 68.8% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं इसलिए ग्रामीण सड़कों की लम्बाई अधिक है। 1		
	खण्ड - ग प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु -उत्तरीय प्रश्न है।		(4×3=12)
20	**(क) विश्व जनसँख्या वितरण को प्रभावित करने वाली किन्हीं तीन आर्थिक कारकों की व्याख्या कीजिये।** **विश्व जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारक हैं:-** i. **खनिज**: खनिज भंडार वाले क्षेत्र उद्योगों को आकर्षित करते हैं। खनन और औद्योगिक गतिविधियाँ रोज़गार उत्पन्न करती हैं। ये क्षेत्र बड़ी संख्या में लोगो को आकर्षित करते है। ii. **नगरीकरण:** नगर बेहतर रोज़गार के अवसर, शैक्षिक और चिकित्सा सुविधाएँ, बेहतर परिवहन और संचार के साधन प्रदान करते हैं। iii. **औद्योगीकरण**: औद्योगिक क्षेत्र रोज़गार के अवसर प्रदान करते हैं और बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करते हैं। iv. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)** **अथवा**	**Pg.8** TB-I	**3x1=3**

	(ख) विश्व जनसँख्या में परिवर्तन के तीन घटकों की व्याख्या कीजिये । **विश्व जनसँख्या में परिवर्तन के घटक:-** i. जन्म दर ii. मृत्यु दर iii. प्रवास **(सभी तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)**	**Pg.9** TB-I	**3x1=3**
21	निम्नलिखित मानचित्र का अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 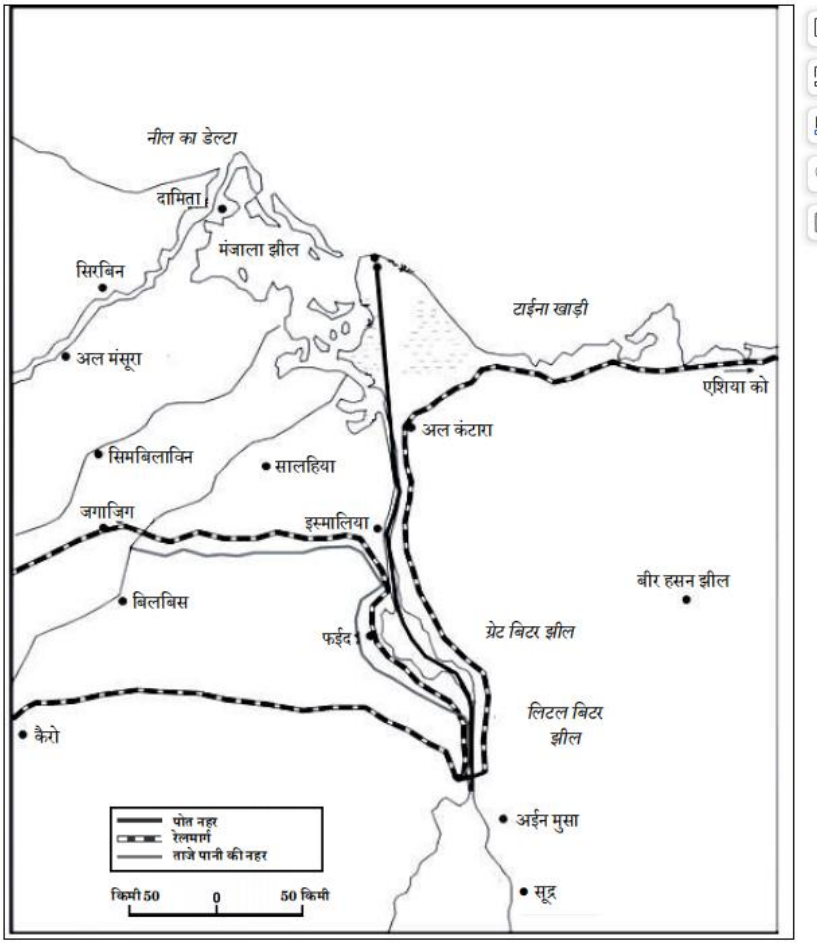 **21.1 मानचित्र पर दर्शाए गए जलमार्ग की पहचान कीजिए।** उत्तर - स्वेज नहर 1 **21.2 दिए गए जल मार्ग के दोनों ओर स्थित पतनो के नाम लिखिए ।** उत्तर - पोर्ट स्वेज और पोर्ट सईद 1/2 + 1/2 =1		**3x1=3**

	21.3 दिए गए जलमार्ग द्वारा जुड़े दो जल निकायों के नाम लिखिए । उत्तर - लाल सागर/स्वेज की खाड़ी और भूमध्य सागर 1/2 + 1/2 =1 ***नोट*** *: निम्नलिखित प्रश्न केवल* ***दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों*** *के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है।* **पनामा नहर के आर्थिक महत्व की व्याख्या कीजिए।** i. यह नहर न्यूयॉर्क एवं सैन फ्रांसिस्को के बीच की दूरी कम करती है। ii. इससे पश्चिमी यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तट ;उत्तर पूर्वी और मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका और पूर्वी तथा दक्षिणी- पूर्वी एशिया के मध्य की दूरी भी कम हो गई है। iii. दक्षिणी अमेरिका की अर्थव्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। iv. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित।)**	**Pg.64** TB-I	**3x1=3**
22	**भारत में जनसंख्या के स्थानिक वितरण को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक और ऐतिहासिक कारकों का विश्लेषण कीजिए।** i. स्थायी कृषि का उदभव, मानव बस्ती के प्रतिरूप और परिवहन जाल-तंत्र का विकास जनसंख्या के स्थानिक वितरण को प्रभावित करता है। ii. मानव बस्ती के आरंभिक इतिहास और परिवहन जाल-तंत्र के विकास के कारण भारत के नदीय मैदानों और तटीय क्षेत्रों में स्थित प्रदेश सदैव ही विशाल जनसंख्या सांद्रण वाले प्रदेश रहे हैं। iii. दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलूरु, पुणे, अहमदाबाद, चेन्नई और जयपुर के नगरीय क्षेत्र औद्योगिक विकास और नगरीकरण के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण-नगरीय प्रवासियों को आकर्षित कर रहे हैं। iv. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित।)**	**Pg.3** TB-II	**3x1=3**

23	**"भारतीय पत्तन बड़ी मात्रा में घरेलू और विदेशी व्यापार का संचालन करते हैं।" इस कथन की परख कीजिए।** i. भारत में पत्तनों का प्रयोग प्राचीन काल से हो रहा है। ii. अधिकतर पत्तन आधुनिक अवसंरचना से लैस है। iii. इन पत्तनों को अंतर्राष्ट्रीय पत्तनों के समकक्ष बनाने की आवश्यकता ने भारत के पत्तनों के आधुनिकीकरण के लिए निजी उद्यमियों को आमंत्रित किया। iv. भारतीय पत्तनों की नौभार निपटान की क्षमता में वृद्धि हुई है। v. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं की परख अपेक्षित।)**	**Pg.87,88** TB-II	**3x1=3**
	खण्ड - घ प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है।		**(5x5=25)**
24	**उपयुक्त उदाहरणों सहित विश्व में कुटीर एवं छोटे पैमाने के विनिर्माण के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।** i. कुटीर उद्योग निर्माण की सबसे छोटी इकाई है जबकि छोटे पैमाने के उद्योग कुटीर उद्योगों से बड़े पैमाने के है। ii. कुटीर उद्योग में शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल के उपयोग करते है जबकि छोटे पैमाने के उद्योगों में कच्चा माल कुछ दूरी से मंगाया जा सकता है। iii. कुटीर उद्योगों में परिवार के सभी सदस्य मिलकर काम करते हैं जबकि छोटे पैमाने के उद्योगों में अर्धकुशल श्रमिक काम करते है। iv. कुटीर उद्योग में तैयार माल को स्थानीय गाँव के बाजार में विक्रय कर देते हैं जबकि छोटे पैमाने के उद्योगों में आसपास के बाजार में विक्रय करते हैं। v. कुटीर उद्योगों में परिवहन एवं पूंजी अधिक प्रभावित नहीं करते जबकि छोटे पैमाने के उद्योगों में प्रभावित करते हैं। vi. कुटीर उद्योगों में साधारण औजारों से काम किया जाता है जबकि छोटे पैमाने के उद्योगों में शक्ति के साधनो से चलने वाले यंत्रो का प्रयोग किया जाता है। vii. कुटीर उद्योगों में रोजगार के अवसर नहीं होते है जबकि छोटे पैमाने के उद्योगों में रोजगार के अवसर अधिक होते हैं।	**Pg.40** TB-I	**5x1=5**

	viii. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं पांच बिंदुओं के अंतर की व्याख्या अपेक्षित।)**		
25	**(क) "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कुछ राष्ट्रों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है, फिर भी यह अस्तित्व में बना हुआ है।"उदाहरण सहित इस कथन को न्याय संगत ठहराइए।** i. इससे देशो की निर्भरता आपस में बढ़ जाती है । ii. इससे विकास का असमान स्तर बढ़ जाता है। iii. विकसित देश अविकसित देशो का शोषण करते है। iv. इनसे वाणिज्यिक प्रतिद्वंदिता बढ़ती है और युद्ध जैसी स्थितया उत्पन हो जाती है। v. यह सारे विश्व में पर्यावरण से लेकर लोगों के स्वास्थय एवं कल्याण इत्यादि को प्रभवित कर सकता है। vi. जैसे जैसे देश अधिक व्यापर के लिए प्रतिस्पर्धी बनते जा रहे है, प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग बढ़ता जा रहा ह। vii. संसाधनों के नष्ट होने की दर उनके पुनर्भरण की दर से तीव्र हो जाती है। viii. समुद्री जीवन भी तीव्रता से नष्ट हो रहा है तथा वन काटे जा रहे हैं। ix. नदी बेसिन निजी पेय जल कंपनियों को बेचे जा रहे हैं। x. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)** **अथवा** **(ख) "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार दोनों व्यापारिक साझेदारों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होता है"।उदाहरणों सहित इस कथन को न्याय संगत ठहराइये।** i. विभिन्न राष्ट्रो द्वारा वस्तुओं के उत्पादन एवं सेवाओं की उपलब्धता में श्रम विभाजन तथा क्षेत्रीय विशेषीकरण को प्रयोग में लाना। ii. उत्पादन का उच्च स्तर iii. रहन-सहन के उच्च स्तर iv. वस्तु एवं सेवाओं की विश्व व्यापी उपलब्धता v. कीमतों और वेतन का समानीकरण vi. ज्ञान एवं संस्कृति के प्रसार को प्रेरित करना। vii. व्यापार परिपूरकता एवं हस्तांतरणीयता के सिद्धांतों पर आधारित है।	**Pg.74** TB-I **Pg.74**	**5x1=5**

	viii. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)**	TB-I	**5x1=5**
26	(क) **भारत में खनिज संसाधनों की मुख्य विशेषताओं की परख कीजिए और उनके संरक्षण के लिए उपाय समझाइए।** **भारत में खनिज संसाधनों की विशेषताएं** i. असमान वितरण ii. खनिजों के गुणवत्ता तथा मात्रा के बीच प्रतिलोमी संबंध। iii. सभी खनिज समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। iv. अन्य संबंधित बिंदु । 2x1=2 **(किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)** **संरक्षण के उपाय :-** i. समापय संसाधनों की बजाय ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत जैसे सौर ,पवन ,भूतापीय आदि का प्रयोग करना। ii. धात्विक खनिजों जैसे तांबा ,सीसा के मामले में छाजन धातुओं का उपयोग। iii. दुर्लभ खनिजों के लिए विकल्पों का उपयोग। iv. सामरिक खनिजों के निर्यात को घटाना। v. अन्य संबंधित बिंदु । 3x1=3 **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)** **अथवा** (ख) **"ऊर्जा के गैर- परंपरागत स्रोतों का बड़ा भविष्य है। "भारत के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।** i. ये नवीकरणीय साधन है जैसे- पवन, सौर ऊर्जा। ii. यह समान रूप से वितरित है । iii. पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी अनुकूल हैं। iv. ये ऊर्जा लागत प्रतिस्पर्धी , पर्यावरण अनुकूल एवं निर्माण में आसान है। उदाहरण सौर तापीय प्रोधोगिकी । v. भारत के पश्चिम में भागों गुजरात व राजस्थान में सौर ऊर्जा के विकास की अधिक संभावनाएं हैं। vi. ये प्रदूषण मुक्त है जैसे पवन ऊर्जा । vii. स्थानीय हवाओं, स्थलीय और जलीय पवनों को राजस्थान गुजरात महाराष्ट्र में विद्युत पैदा करने के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है।	**Pg.54,64** TB-II	**2+3=5**

	viii. महासागरीय धाराएं ऊर्जा का अपरिमित भंडार ग्रह है । ix. भारत के पश्चिमी तट पर ज्वारीय ऊर्जा विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। x. भूतापीय ऊर्जा को वैकल्पिक स्रोत के रूप में विकसित किया जा सकता है। xi. जैव ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा ,ताप ऊर्जा अथवा खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है। उदाहरण दिल्ली में ओखला परियोजना। xii. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)**	**Pg.61-64** TB-II	**5x1=5**
27	**(क) "चलवासी पशु चारकों की संख्या घट रही है और उनके द्वारा संचालित क्षेत्र सिकुड़ रहा है।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** i. राजनीतिक सीमाओं का अधिरोपण। ii. कई देशों द्वारा नई बस्तियों की योजना बनाना। iii. नगरीकरण तथा कृषिः उदाहरणः जम्मू और कश्मीर में गुज्जर और बकरवाल जैसे समुदायों ने विकास परियोजनाओं के कारण अपने पारंपरिक चरागाह मार्गों को अवरुद्ध होते देखा है। iv. सरकार द्वारा चलवासी समुदाय को प्रशासनिक कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए स्थाई बसावट के लिए मजबूर किया जाता है। v. शिक्षा :शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात लोग प्राथमिक क्रियाकलापों को छोड़कर द्वितीय एवं तृतीय क्रियाकलापों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। vi. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)** **अथवा** **(ख) "भूमध्य सागरीय कृषि अत्यधिक विशिष्ट वाणिज्यिक कृषि है।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** i. इसका विस्तार भूमध्य सागर के समीपवर्ती क्षेत्र जो दक्षिण यूरोप से उत्तरी अफ्रीका में ट्यूनीशिया से अटलांटिक तक तक फैला है । ii. अंगूर की कृषि इस कृषि की मुख्य विशेषता है। iii. अच्छी किस्म के अंगूरों से उच्च गुणवत्ता वाली मदिरा का उत्पादन किया जाता है। iv. निम्न श्रेणी के अंगूरों को सुखाकर मुनक्का व किशमिश बनाई जाती है।	**Pg.24** TB-I	**5x1=5**

	v. अंजीर एवं जैतून भी यहां उत्पन्न किया जाता है। vi. फलों एवं सब्जियों की मांग यूरोप एवं अमेरिका में अधिक है। vii. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित)**	**Pg.30** TB-I	**5x1=5**
28	**(क) "हाल के वर्षों में ध्वनि प्रदूषण एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है।" उपयुक्त उदाहरण देकर इस कथन की परख कीजिए।** i. महानगरों में धवनि प्रदुषण अधिक खतरनाक सिद्ध हो रहा है। इससे बहरेपन की शिकायत बढ़ रही है। ii. लोगो में सोने से संबधित परेशानिया बढ़ रही हैं। iii. मानव की सहनीय सीमा से अधिक शोर तनाव, बेचैनी व घबराहट को बढ़ावा देता है। iv. इससे लोग कार्य में ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते विशेषकर, बच्चे । v. अधिक शोर दुर्घटनाओं को बढ़ावा देता है। vi. उद्योग तथा तीव्र चलित मोटर धवनि प्रदूषण के प्रमुख स्रोत्र हैं। vii. साईरन, लाउड स्पीकर्स तथा कार्यक्रम सम्बंधित कार्य धवनि प्रदुषण को बढ़ावा देते हैं। viii. यह हृदय रोग से पीड़ित लोगों के लिए हानि करक है। ix. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं की परख अपेक्षित)** **अथवा** **(ख) "कृषि भूमि की सीमित उपलब्धता तथा उसकी गुणवत्ता में गिरावट आज एक बहुत गंभीर चिंता का विषय है।" भू-निम्नीकरण के संदर्भ में इस कथन की परख कीजिए।** i. कृषि भूमि पर दबाब न केवल भूमि की सीमित उपलब्धता से बढ़ा है बल्कि कृषि भूमि की गुणवत्ता में कमी आने से हुआ। ii. मृदा अपरदन, लवणता तथा भू- क्षारता से भू निम्नीकरण होता है। iii. कीटनाशकों व उर्वरको का प्रयोग भू निम्नीकरण को बढ़ावा देता है। iv. स्थानांतरित कृषि जनित क्षेत्र , रोपण कृषि जनित , खनन व उधोगिक व्यर्थ क्षेत्र है जहाँ मानवीय प्रक्रियाओं से कृषि के भूमि	**Pg.96** TB-II	**5x1=5**

	अयोग्य हुई है। v. भू उर्वरकता के अप्रबंधन से व्यर्थ भूमि को बढ़ावा मिलता है। vi. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्हीं पांच बिंदुओं की परख अपेक्षित)**	**Pg.101** TB-II	**5x1=5**
	खण्ड - ङ प्रश्न संख्या 29 एवं 30 मानचित्र - आधारित प्रश्न है।		2×5=10

29

कृपया संलग्न मानचित्र देखें।

किन्ही पांच की पहचान कीजिए। **5x1=5**

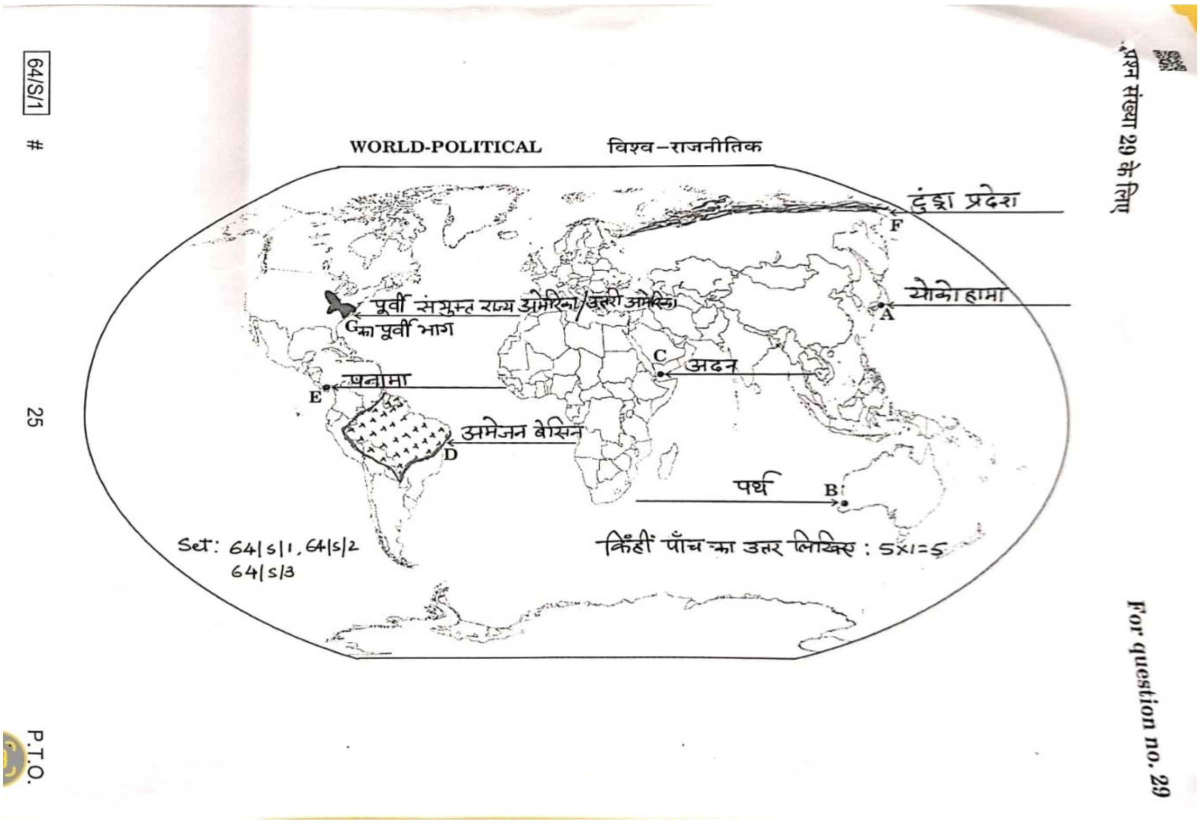

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर है। किन्ही पांच का उत्तर लिखिए।

(29.1) ***योकोहामा / कोबे***

(29.2) **पर्थ**

(29.3) **अदन**

(29.4) **अमेज़न बेसिन**

(29.5) **पनामा**

(29.6) **टुण्ड्रा**

(29.7) **पूर्वी उत्तरी अमेरिका**

30	**कृपया संलग्न मानचित्र देखें।** **किन्हीं पाँच को अंकित कीजिए ।** **5x1=5**

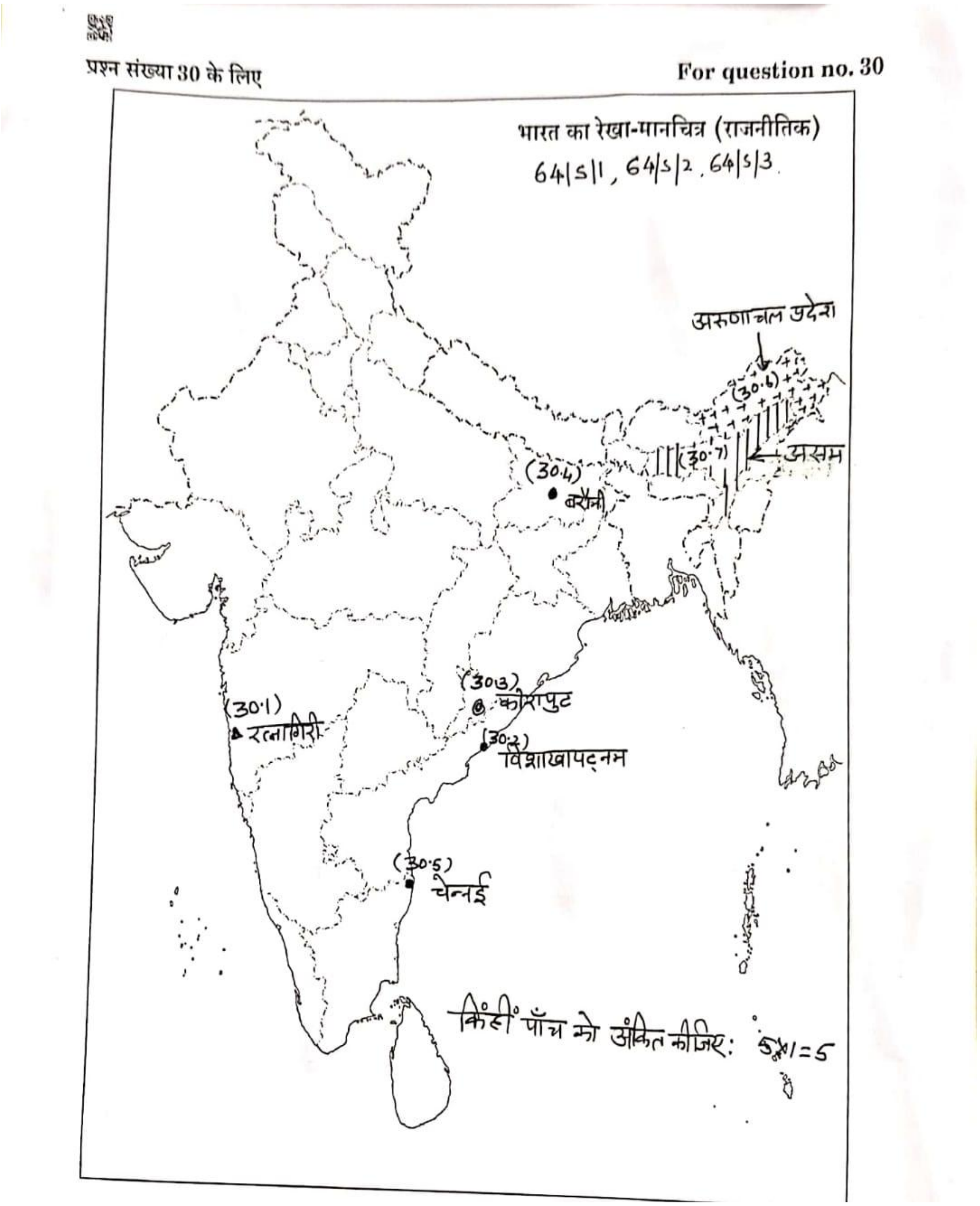

	नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर है। <u>किन्ही पांच</u> का उत्तर लिखिए। **(30.1) रत्नागिरी** **(30.2) विशाखापत्तनम** **(30.3) कोरापुट** **(30.4) बरौनी** **(30.5) चेन्नई** **(30.6) अरुणाचल प्रदेश** **(30.7) असम**